मानव बलि की प्रथा

1827. श्री कुंवर लाल हेम राज जैन : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या देश में मानव बलि की प्रथा अभी भी जारी है यद्यपि कानून द्वारा इस पर प्रतिबन्ध है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या जादू-टोना और मानव बलि अमानवता का एक और तरीका है ;

(ग) यदि हां, तो देश में यह प्रथा कब तक जारी रहेगी ; और

(घ) सरकार उक्त सामाजिक कुरीति को दूर करने के लिये क्या प्रयास कर रही है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धन्ना सिंह गुलशन) : (क) और (ख). अभी हाल में देश के किसी भाग में मानव बलि या जादू-टोना किया जाने का कोई समाचार नहीं मिला है । मानव बलि तो मानव वध का ही एक रूप है जिसके लिए भारतीय दण्ड संहिता में मृत्यु दण्ड या आजीवन कारावास का प्रावधान है ।

(ग) और (घ) : प्रश्न नहीं उठते ।

Statement of Chairman, National Dairy Development Board on Cooperative of Oilseed Producers

1828. SHRI EDUARDO FALEIRO:
SHRI C. N. VISWANATHAN:
SHRI V. ARUNACHALAM:

Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether attention of Government has been drawn to the statement of Chairman of the National Dairy Development Board (NDDB) reported by News Agencies on 19th January, 1979 that his life had been threatened by the "Oil Kings of Gujarat" consequent upon the massive project being implemented by the NDDB to organise the oil seed producers on the Anand pattern of Milk Cooperatives which would lead to their elimination from the scene;

(b) whether he is also reported to have stated that the swift manner in which the project was being implemented had taken 'the oil kings' by surprise and the NDDB had to fight against powerful interest;

(c) whether he has further stated that the entire edible oil trade in the State with turn over of Rs. 3.50 crores was controlled by a small number of families related to each other; and

(d) if so, the reaction of Government to these statements?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) to (d). The Government has seen only the Press reports but there has been no official communication in this behalf from the Chairman, National Dairy Development Board.

भूमि सेना गठित करने सम्बन्धी संकल्प

1829. श्री लक्ष्मीनारायण नायक : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार देने, बंजर व परती भूमि को खेती योग्य बनाने तथा अनाज का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से केन्द्रीय सरकार द्वारा एक भूमि सेना गठित करने के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों को आवश्यक सहायता प्रदान करने वाले संकल्प को, जो लोक सभा द्वारा 15 दिसम्बर, 1978 को पास किया गया था, क्रियान्वित के लिए राज्य सरकार को किस तारीख को भेजा गया ;

(ख) उपर्युक्त संकल्प की क्रियान्विति के लिए किन राज्यों ने योजनाएं तैयार की हैं ;

(ग) योजनाओं की रूप रेखा क्या है ;